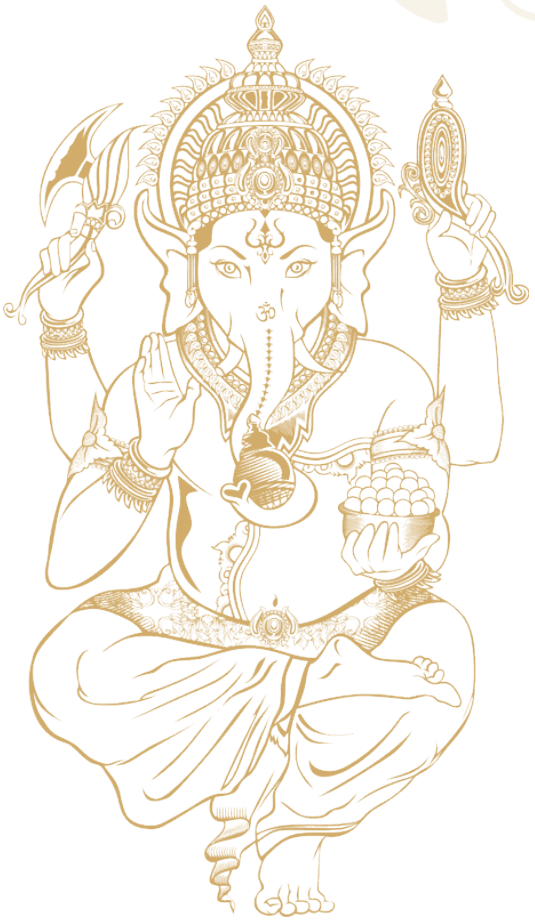

Nayan

29 Sep 2017

08:15 AM

Munger

Model: web-freekundliweb

Order No: 121723917

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/09/2017**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	06:38:43 घटी
स्थान	**Munger**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:24:00 उत्तर
रेखांश	86:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:15:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:30:56 घंटे
वेलान्तर	00:09:39 घंटे
साम्पातिक काल	09:03:11 घंटे
सूर्योदय	05:35:30 घंटे
सूर्यास्त	17:32:53 घंटे
दिनमान	11:57:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:03:20 कन्या
लग्न के अंश	16:45:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:45:39	315:27:43	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	12:03:20	00:58:55	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			धनु	22:54:19	11:56:43	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	20:56:20	00:37:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	04:13:57	01:49:21	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			तुला	03:28:03	00:12:34	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	16:59:45	01:13:43	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	28:02:12	00:03:15	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु			कर्क	29:16:08	00:00:59	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	29:16:08	00:00:59	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	03:14:18	00:02:14	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	18:06:56	00:01:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
प्लूटो			धनु	22:45:08	00:00:01	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	19:13:27	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:06

लग्न-चलित

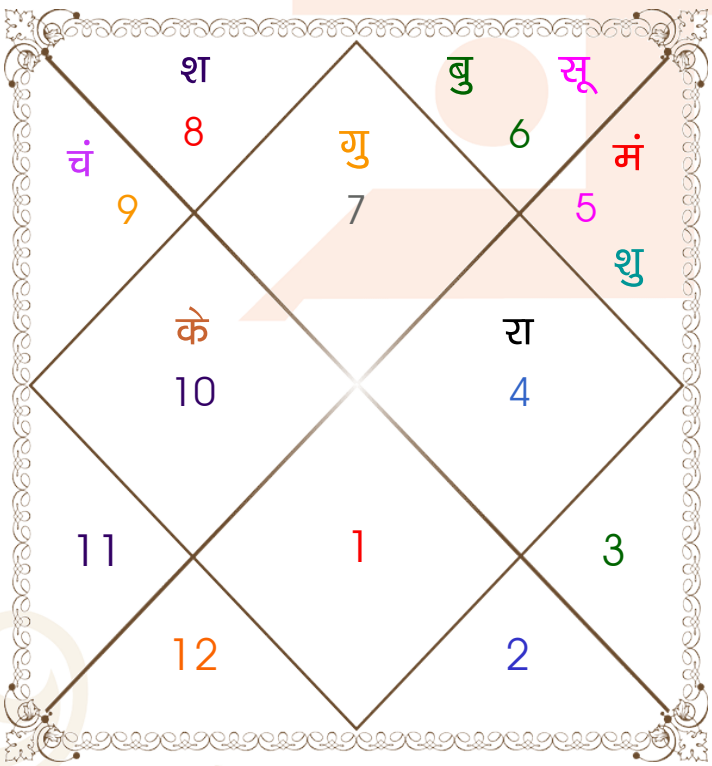

चन्द्र कुंडली

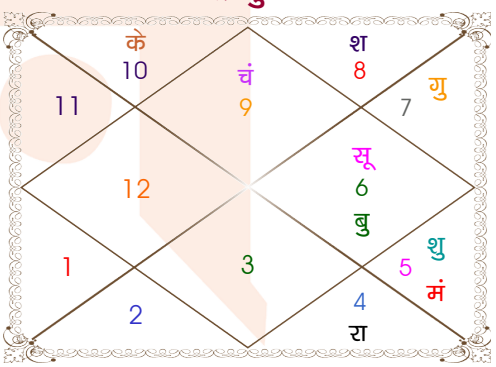

नवमांश कुंडली

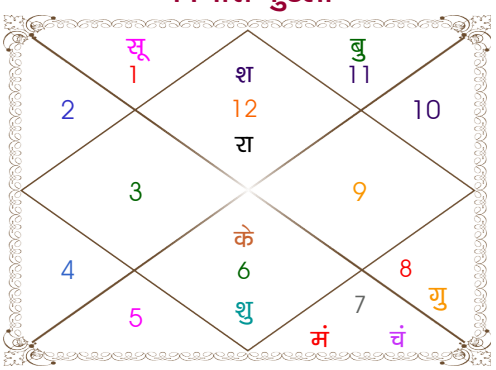

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 7 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/09/2017		22/05/2023		21/05/2029		22/05/2039		21/05/2046	
22/05/2023		21/05/2029		22/05/2039		21/05/2046		21/05/2064	
	00/00/0000	सूर्य	08/09/2023	चंद्र	21/03/2030	मंगल	18/10/2039	राहु	01/02/2049
	00/00/0000	चंद्र	09/03/2024	मंगल	21/10/2030	राहु	04/11/2040	गुरु	27/06/2051
	00/00/0000	मंगल	15/07/2024	राहु	20/04/2032	गुरु	11/10/2041	शनि	03/05/2054
	00/00/0000	राहु	08/06/2025	गुरु	20/08/2033	शनि	20/11/2042	बुध	19/11/2056
	00/00/0000	गुरु	28/03/2026	शनि	22/03/2035	बुध	17/11/2043	केतु	08/12/2057
	29/09/2017	शनि	10/03/2027	बुध	20/08/2036	केतु	14/04/2044	शुक्र	08/12/2060
शनि	22/05/2019	बुध	14/01/2028	केतु	21/03/2037	शुक्र	14/06/2045	सूर्य	01/11/2061
बुध	21/03/2022	केतु	21/05/2028	शुक्र	20/11/2038	सूर्य	20/10/2045	चंद्र	03/05/2063
केतु	22/05/2023	शुक्र	21/05/2029	सूर्य	22/05/2039	चंद्र	21/05/2046	मंगल	21/05/2064

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/05/2064		21/05/2080		22/05/2099		22/05/2116		23/05/2123	
21/05/2080		22/05/2099		22/05/2116		23/05/2123		00/00/0000	
गुरु	09/07/2066	शनि	25/05/2083	बुध	18/10/2101	केतु	18/10/2116	शुक्र	21/09/2126
शनि	19/01/2069	बुध	01/02/2086	केतु	15/10/2102	शुक्र	18/12/2117	सूर्य	21/09/2127
बुध	27/04/2071	केतु	13/03/2087	शुक्र	15/08/2105	सूर्य	25/04/2118	चंद्र	22/05/2129
केतु	02/04/2072	शुक्र	12/05/2090	सूर्य	22/06/2106	चंद्र	24/11/2118	मंगल	22/07/2130
शुक्र	02/12/2074	सूर्य	24/04/2091	चंद्र	21/11/2107	मंगल	22/04/2119	राहु	22/07/2133
सूर्य	20/09/2075	चंद्र	23/11/2092	मंगल	17/11/2108	राहु	10/05/2120	गुरु	22/03/2136
चंद्र	19/01/2077	मंगल	01/01/2094	राहु	07/06/2111	गुरु	16/04/2121	शनि	30/09/2137
मंगल	26/12/2077	राहु	07/11/2096	गुरु	12/09/2113	शनि	25/05/2122		00/00/0000
राहु	21/05/2080	गुरु	22/05/2099	शनि	22/05/2116	बुध	23/05/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 7 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।